राष्ट्रभाषा हिन्दी

हिन्दी के झण्डे को पूरे विश्व में फहरायेंगे।
मालवीय के हिन्दी, हिन्दुस्तान के उद्घोष से,
सोयेसिंह भारत को जगायंगें ।।
हम हिन्द के निवासी हिन्दी को
पूरे विश्व की भाषा गनायेंगे
हिन्दी के प्रति जो उपेक्षा भाव
समाज में भर गये है, उसको मिटायेंगे ।।
राष्ट्रीय एकता की जननी को हृदय से
राजभाषा , विश्वभाषा के पद पर बिठायेंगे।
कश्मीर से लेकर कन्या कुमारी तक
अटक से लेकर कटक तक
हिन्दी प्रेम की गंगा बहायेंगे ।।
कबीर, जायसी, सूर, तुलसी अमर हिन्दी
साहित्य का प्रकाश पूरे विश्व में फैलायेंगे।।
शिवत्व, बुध्दत्व,हिन्दी, गीता ज्ञान,
गंगा की पवित्र धारा को पूरे विश्व कें पहुँचायेंगे ।
स्वामी दयानन्द, विवेकानन्द को आदर्श बना ।।
राष्ट्र स्वाभिमान को जगायेंगे।
भारतेन्द्रु, राजर्षि टण्डन, राजशास्त्री के ।
हिन्दी राष्ट्रभाषा प्रेम को अपनायेंगे।
दार्शनिक , वैज्ञानिक , साहित्यकार शिवसंकल्प भाव से ।
आर्य भाषा हिन्दी को सर्वोत्तम साहित्य से सजायेंगे।
विधान सभा, संसद, संयुक्त राष्ट्र संघ में।
हिन्दी गौरव गान धुन को बजायेंगे।।

शिव कुशवाहा (प्रवक्ता),
हरजेन्द्र नगर, इण्टर कालेज,कानपुर–7